**भारत सरकार**

**सूक्ष्‍म, लघु और मध्‍यम उद्यम मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1017**

**उत्‍तर देने की तारीख: 03.12.2012**

**सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लाभ में गिरावट आना**

**1017. श्री एसñ थंगावेलु:**

 क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र उत्पादन में गिरावट और बिजली की अत्यधिक कमी की वजह से लाभ की सीमा में कमी का सामना कर रहा है तथा क्या वे बिजली की निर्बाध आपूर्ति और औद्योगिक क्लस्टरों में बिजली आपूर्ति के अनुज्ञप्‍ति संबंधी मानदण्डों में ढील चाहते हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उन्होंने सरकार से विद्युत संबंधी सुधारों को सुदृढ़ बनाने एवं इस क्षेत्र के लिए विद्युत की निर्बाध आपूर्ति के लिए आग्रह किया है; और

(घ) यदि हां, तो इस मुद़दे पर क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्री के. एच. मुनियप्‍पा)**

(क) से (ग): विद्युत मंत्रालय से प्राप्‍त सूचना के अनुसार अप्रैल- अक्‍तूबर, 2012 के दौरान देश में ऊर्जा की कुल मिलाकर और सर्वाधिक कमी क्रमश: 8.6 प्रतिशत और 9 प्रतिशत थी। यह कमी एक राज्‍य से दूसरे राज्‍य में माह दर माह और दिन प्रति दिन आधार पर अलग-अलग होती है जो विद्युत की मांग और उपलब्‍धता पर निर्भर करती है। इस कमी के कारण सूक्ष्‍म, लघु और मध्‍यम उद्यमों के उत्‍पादन और लाभकारिता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। एमएसएमई संघों ने इस समस्‍या के हल के लिए समय-समय पर सुझाव दिए हैं जिसमें परमाणु ऊर्जा के उत्‍पादन पर जोर, सौर ऊर्जा, एमएसएमई के लिए कम शुल्‍क आदि शामिल हैं।

(घ): विद्युत मंत्रालय और राज्‍य सरकारों ने बिजली की उपलब्‍धता को बढ़ाने के लिए अनेक सुधारात्‍मक उपाय किए हैं। इन उपायों में विद्युत उत्‍पादन क्षमता बढ़ाना, कोयले का आयात, अल्‍ट्रा मेगा विद्युत परियोजनाओं का विकास, पुरानी विद्युत उत्‍पादक इकाइयों का आधुनिकीकरण, संचारण क्षमता बढ़ाना ओर ऊर्जा संरक्षण के उपाय को सुदृढ़ करना शामिल हैं।

\*\*\*\*\*\*